

**CBSE Class 12 संस्कृत कोर**  
**एनसीईआरटी प्रश्न-उत्तर**  
**पाठ - 2 सूर्यः एव प्रकृतेः आधारः**

**अनुप्रयोगः**

**1. अधोलिखितशब्दानां स्थाने पाठे ये शब्दाः प्रयुक्ताः तेषां मेलनं कुरुत-**

| 'अ' स्तम्भः      | 'ब' स्तम्भः            |
|------------------|------------------------|
| शब्दाः           | पाठे प्रयुक्ताः शब्दाः |
| (i) सूर्यस्य     | (क) खे                 |
| (ii) आकाशे       | (ख) विश्वेषाम्         |
| (iii) इन्द्रः    | (ग) वन्दिनः            |
| (iv) कमलम्       | (घ) कोकः               |
| (v) चक्रवाकः     | (ङ) मरीचिमालिनः        |
| (vi) भ्रमरः      | (च) अहः                |
| (vii) स्वामी     | (छ) आखण्डलः            |
| (viii) दिनम्     | (ज) इनः                |
| (ix) ब्रह्मणः    | (झ) रोलम्बः            |
| (x) स्तुतिगायकाः | (ञ) परमेष्ठिनः         |
| (xi) सर्वेषाम्   | (ट) पुण्डरीकम्         |

**उत्तरम्-**

| 'अ' स्तम्भः  | 'ब' स्तम्भः            |
|--------------|------------------------|
| शब्दाः       | पाठे प्रयुक्ताः शब्दाः |
| (i) सूर्यस्य | (ङ) मरीचिमालिनः        |
| (ii) आकाशे   | (क) खे                 |
|              |                        |

|                  |                |
|------------------|----------------|
| (iii) इन्द्रः    | (छ) आखण्डलः    |
| (iv) कमलम्       | (ट) पुण्डरीकम् |
| (v) चक्रवाकः     | (घ) कोकः       |
| (vi) भ्रमरः      | (झ) रोलम्बः    |
| (vii) स्वामी     | (ज) इनः        |
| (viii) दिनम्     | (च) अहः        |
| (ix) ब्रह्मणः    | (ञ) परमेष्ठिनः |
| (x) स्तुतिगायकाः | (ग) वन्दिनः    |
| (xi) सर्वेषाम्   | (ख) विश्वेषाम् |

## 2. प्रस्तुतप्रश्नानाम् उत्तराणि कोष्ठकात् चित्वा लिखत-

1. भगवतः मरीचिमालिनः उदयः कस्यां दिशायां भवति?..... (पूर्वस्याम्/उत्तरस्याम्/पश्चिमदिशायाम्)
2. सूर्यः वर्ष कतिभागेषु विभजते? ..... (चतुर्भागेषु/द्वयोः भागयोः/द्वादशभागेषु)
3. अहोरात्रं कः जनयति? ..... (ब्रह्मा/सूर्यः/चन्द्रमा)
4. 'आदित्यो ह वै प्राणः' इति कस्मिन् उपनिषदि वर्णितम्? ..... (तैत्तिरीये/छान्दोग्ये/प्रश्ने)
5. सूर्यः केषाम् आत्मा? ..... (जड़वस्तूनाम्/चेतनानाम्/जड़चेतनानाम्)

## उत्तरम्-

1. पूर्वस्याम्
2. द्वादशभागेषु
3. सूर्यः
4. छान्दोग्ये
5. जड़चेतनानाम्

## 3. अत्र अनेकानि पदानि सन्ति। एतेषां पर्यायपदानां प्रयोगं कस्य शब्दस्य हेतु अभवत् इति पाठात् चित्वा लिखत-

यथा- रवि, भानुः, दिवाकरः ( सूर्यस्य )

1. निशा, शर्वरी, रजनी ( ..... )
2. प्रजापतिः विधाता, स्रष्टा ( ..... )

- 
3. सञ्चालकः नियामकः, संयोजकः ( ..... )
  4. करः, किरणः, रश्मिः ( ..... )
  5. मधुपः, द्विरेफः, भ्रमरः ( ..... )
  6. वन्द्यः, स्तुत्यः, प्रशंस्यः ( ..... )
  7. आश्रयः, आधारः, धारकः ( ..... )

उत्तरम्-

1. रात्रेः
2. परमेष्ठिनः
3. सूत्रधारस्य
4. मरीचेः
5. भ्रमरस्य/ रोलम्बस्य
6. प्रशंसायोग्यस्य/ प्रणम्यस्य
7. आधारस्य/ अवलम्बस्य

---

#### 4. विशेषणानाम् विशेष्यैः सह मेलयत-

| विशेषणानि             | विशेष्याणि      |
|-----------------------|-----------------|
| (i) भगवतः             | (क) बटुः        |
| (ii) षण्णाम्          | (ख) भास्वन्तम्  |
| (iii) शतधा            | (ग) लोकाः       |
| (iv) गुरुसेवनपटुः     | (घ) मरीचिमालिनः |
| (v) दक्षिणम्          | (ङ) सूर्यः      |
| (vi) सर्वे            | (च) ऋतूनाम्     |
| (vii) सहस्ररश्मिः     | (छ) वर्तमानः    |
| (viii) उद्देष्ट्यन्तं | (ज) अयनम्       |

उत्तरम्-

| विशेषणानि | विशेष्याणि      |
|-----------|-----------------|
| (i) भगवतः | (घ) मरीचिमालिनः |

|                       |                |
|-----------------------|----------------|
| (ii) षण्णाम्          | (च) ऋतूनाम्    |
| (iii) शतधा            | (छ) वर्तमानः   |
| (iv) गुरुसेवनपटुः     | (क) बटुः       |
| (v) दक्षिणम्          | (च) अयनम्      |
| (vi) सर्वे            | (ग) लोकाः      |
| (vii) सहस्ररश्मिः     | (ङ) सूर्यः     |
| (viii) उद्देष्ट्यन्तं | (ख) भास्वन्तम् |

5. अत्र समासविग्रहाः सन्ति, एतेषां स्थाने समस्तपदानि लिखत -

| समासविग्रहाः                                   | समस्तपदानि |
|------------------------------------------------|------------|
| (i) मरीचीनां माला यस्य अस्ति इति तस्य          | .....      |
| (ii) खे चरन्ति इति खेचराः, खेचराणां चक्रं तस्य | .....      |
| (iii) ब्रह्माण्डम् एव भाण्डं, तस्य             | .....      |
| (iv) पुण्डरीकाणां पटलस्य                       | .....      |
| (v) रोलम्बानां कदम्बः तस्य                     | .....      |
| (vi) अहः च रात्रिः च तम्                       | .....      |
| (vii) कल्पनां भेदाः                            | .....      |
| (viii) पर्णानां कुटीरम्, तस्मात्               | .....      |

उत्तरम्-

1. मरीचिमालिनः
2. खेचरचक्रस्य
3. ब्रह्माण्डभाण्डस्य
4. पुण्डरीकपटलस्य
5. रोलम्बकदम्बस्य
6. अहोरात्रम्
7. कल्पभेदाः

---

8. पर्णकुटीरात्

---

6. समानध्वन्यात्मक शब्दान् मेलयत-

| 'क' स्तम्भः      | 'ख' स्तम्भः     |
|------------------|-----------------|
| (i) ब्रह्माण्डम् | (क) कदम्बः      |
| (ii) कुण्डलम्    | (ख) दिनम्       |
| (iii) शोकः       | (ग) खेचरचक्रस्य |
| (iv) रोलम्बः     | (घ) भाण्डम्     |
| (v) इनः          | (ङ) आखण्डलः     |
| (vi) कोकः        | (च) विमोकः      |
| (vii) चक्रवर्ती  | (छ) गायति       |
| (viii) गायत्री   | (ज) लोकः        |

उत्तरम्-

| 'क' स्तम्भः      | 'ख' स्तम्भः     |
|------------------|-----------------|
| (i) ब्रह्माण्डम् | (घ) भाण्डम्     |
| (ii) कुण्डलम्    | (च) आखण्डलः     |
| (iii) शोकः       | (ङ) विमोकः      |
| (iv) रोलम्बः     | (क) कदम्बः      |
| (v) इनः          | (ख) दिनम्       |
| (vi) कोकः        | (ज) लोकः        |
| (vii) चक्रवर्ती  | (ग) खेचरचक्रस्य |
| (viii) गायत्री   | (छ) गायति       |

---

7. अत्र वाक्येषु कर्तापिदस्य क्रियापदं लिखत -

1. अयमेव अहोरात्रम् .....।

2. एष एव उत्तरं दक्षिणं च अयनम् .....।
3. परमेष्ठिनः परार्द्धसंख्या एनम् एव आश्रित्य .....।
4. प्रजानां प्राणः एषः सूर्यः .....।
5. सूर्यः वत्सरं द्वादशशु भागेषु .....।

उत्तरम्- अकति

1. अयमेव अहोरात्रम् जनयति।
2. एष एव उत्तरं दक्षिणं च अयनम् अङ्गीकरोति।
3. परमेष्ठिनः परार्द्धसंख्या एनम् एव आश्रित्य भवति।
4. प्रजानां प्राणः एषः सूर्यः उदयति।
5. सूर्यः वत्सरं द्वादशशु भागेषु विभनक्ति।

8. शब्दानां मूलशब्द विभक्तिं च प्रदश्य तालिकाम् पूरयत-

| यथा-भगवतः       | भगवत्       | षष्ठी      | एकवचनम्    |
|-----------------|-------------|------------|------------|
| (i) मरीचिमालिनः | मरीचिमालिन् | (1) .....  | (2) .....  |
| (ii) चक्रवर्ती  | (3) .....   | प्रथमा     | एकवचनम्    |
| (iii) दिशः      | दिश्        | (4) .....  | एकवचनम्    |
| (iv) प्रेयान्   | प्रेयस्     | (5) .....  | (6) .....  |
| (v) षण्णाम्     | षड्         | (7) .....  | (8) .....  |
| (vi) परमेष्ठिनः | (9) .....   | षष्ठी      | एकवचनम्    |
| (vii) वन्दिनः   | (10) .....  | प्रथमा     | बहुवचनम्   |
| (viii) अमुम्    | अदस्        | (11) ..... | (12) ..... |
| (ix) विश्वेषाम् | (13) .....  | षष्ठी      | बहुवचनम्   |
| (x) पूर्वस्याम् | पूर्व       | (14) ..... | (15) ..... |

उत्तरम्-

| यथा-भगवतः       | भगवत्       | षष्ठी     | एकवचनम्     |
|-----------------|-------------|-----------|-------------|
| (i) मरीचिमालिनः | मरीचिमालिन् | (1) षष्ठी | (2) एकवचनम् |

|                 |                        |                      |                     |
|-----------------|------------------------|----------------------|---------------------|
| (ii) चक्रवर्ती  | (3) <u>चक्रवर्तिन्</u> | प्रथमा               | एकवचनम्             |
| (iii) दिशः      | दिश्                   | (4) <u>षष्ठी</u>     | एकवचनम्             |
| (iv) प्रेयान्   | प्रेयस्                | (5) <u>प्रथमा</u>    | (6) <u>एकवचनम्</u>  |
| (v) षण्णाम्     | षड्                    | (7) <u>षष्ठी</u>     | (8) <u>बहुवचनम्</u> |
| (vi) परमेष्ठिनः | (9) <u>परमेष्ठिन्</u>  | षष्ठी                | एकवचनम्             |
| (vii) वन्दिनः   | (10) <u>वन्दिन्</u>    | प्रथमा               | बहुवचनम्            |
| (viii) अमुम्    | अदस्                   | (11) <u>द्वितीया</u> | (12) <u>एकवचनम्</u> |
| (ix) विश्वेषाम् | (13) <u>विश्व</u>      | षष्ठी                | बहुवचनम्            |
| (x) पूर्वस्याम् | पूर्व                  | (14) <u>सप्तमी</u>   | (15) <u>एकवचनम्</u> |

### 9. अधोलिखितशब्देषु सन्धिम् कृत्वा उचितं शब्दं लिखत-

1. भगवतः + मरीचिमालिनः = .....
2. मणिः + आकाशमण्डलस्य = .....
3. अवलम्बः + रोलम्बकदम्बस्य = .....
4. इनः + च = .....
5. च + अयनम् = .....
6. परम + इष्टिन् = .....

### उत्तरम्-

1. भगवतो मरीचिमालिनः
2. मणिराकाशमण्डलस्य
3. अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य
4. इनश्च
5. चायनम्
6. परमेष्ठिन्

### 10. निम्नवाक्यानाम् पूर्तिः अव्ययपदैः कुरु-

1. सूर्यः ..... आत्मा जगतः तस्थुषः च।
2. इनः ..... दिनस्य।

- 
3. सूर्यस्य वर्णनं ..... केवलं ज्ञानवर्धकम् ..... भाषायाः सौन्दर्यस्य उत्कृष्टम् उदाहरणम्।
  4. अयम् ..... कारणं षण्णाम् ऋतूनाम्।
  5. निजपर्णकुटीरात् ..... बटुः सूर्यस्य महिमानं वर्णयति।

उत्तरम्-

1. सूर्यः एव आत्मा जगतः तस्थुषः च।
2. इनः च दिनस्य।
3. सूर्यस्य वर्णनम् न केवलं ज्ञानवर्धकम् अपितु भाषायाः सौन्दर्यस्य उत्कृष्टम् उदाहरणम्।
4. अयम् एव कारणं षण्णाम् ऋतूनाम्।
5. निजपर्णकुटीरात् बहिः बटुः सूर्यस्य महिमानं वर्णयति।